बीएएनएम 163

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

(एफवाईयूपी)

(लघु पाठ्यक्रम)

सत्रीय–कार्य

जुलाई 2026 - जनवरी 2027 सत्र

पाठ्यक्रम कोड : बीएएनएम 163

भारत की जनजातीय संस्कृतियाँ

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 **अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय** कार्य **(टी.एम.ए.)** करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बीएएनएम 163: भारत की जनजातीय संस्कृतियाँ** नामक **लघु पाठ्यक्रम** के सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 4 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 2 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

सत्रीय कार्य- I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी प्रश्न (MCQs) और लघु श्रेणी प्रश्न (SCQs) शामिल हैं। इन मध्य श्रेणी प्रश्नों में आपसे अपेक्षा की जाती है कि पहले आप विषय का तर्कों और व्याख्याओं के संदर्भ में विश्लेषण करें और उसके बाद संक्षिप्त एवं सटीक रूप में उत्तर लिखें। इनका उद्देश्य आपकी भेद करने, तुलना करने, विरोधाभास स्पष्ट करने तथा अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ की क्षमता का परीक्षण करना है। लघु श्रेणी प्रश्न का उद्देश्य व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं से संबंधित प्रासंगिक एवं सटीक जानकारी को संक्षेप में स्मरण कर प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता तथा अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ को विकसित करना है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम संदर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर

किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

पूर्ण किये गये असाइमेंट को जमा करना:

प्रवेश सत्र	जमा करने की अंतिम तिथी	जमा करने का स्थान
जुलाई 2026 में नामांकित छात्रों के लिए	30 अप्रैल 2027	शिक्षार्थी सहायता केंद्र के समन्वयक को ।
जनवरी 2027 में नामांकित छात्रों के लिए	30 सितंबर 2027	

आप अपना असाइनमेंट जमा करने के लिए शिक्षार्थी सहायता केंद्र पर जा सकते हैं। प्रस्तुत किए गए असाइनमेंट के लिए शिक्षार्थी सहायता केंद्र से रसीद प्राप्त करें और इसे सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो, असाइनमेंट की एक जेरोक्स (फोटोकॉपी) अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, शिक्षार्थी सहायता केंद्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य मे ंदिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें किः

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

3) प्रस्तुतिकरण : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ !

मानवविज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, नई दिल्ली

BANM 163: भारत की जनजातीय संस्कृतियाँ

(अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य)

(TMA)

कोर्स कोड: बीएएनएम 163

असाइनमेंट कोड: BANM 163/ASST/TMA/ जुलाई 2026-जनवरी 2027

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में दो अनुभाग हैं। आपको दोनों अनुभागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 2X20 = 40

क. जनजाति की परिभाषा दीजिए। भारत में विमुक्त, घुमंतू तथा अर्द्ध–घुमंतू जनजातियों की विवेचना कीजिए।

ख. भारत में निर्माणात्मक तथा विश्लेषणात्मक चरणों के दौरान लिखे गए जनजातीय मोनोग्राफों का परीक्षण कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए) 3X10 =30

क. भारत में अनुसूचित जनजातियों के लिए संवैधानिक प्रावधान एवं संरक्षण उपाय क्या हैं? उनके कल्याणकारी कार्यक्रमों की विवेचना कीजिए।

ख. भारत की जनजातियों पर वैश्वीकरण के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

ग. प्रवासन, भूमि अलगाव, ऋणग्रस्तता तथा ऋण बंधन जनजातीय आबादी को किस प्रकार प्रभावित करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। **6X5 = 30**

क. संथाल विद्रोह

ख. कृषि एवं रोजगार में जनजातीय महिलाएँ

ग. एफ. जी. बेली तथा जनजाति–जाति सातत्य

घ. जनजातियों में मद्यपान से संबंधित समस्याएँ

ड़. जनजातियों में धर्म एवं जादू

च. स्वदेशी समुदाय